

# विषयसूची

तह ५, बरिष्ठ सहायक (प्रशासन सेवा र प्रशासन समूह) पदको खुल्ला  
प्रतियोगितात्मक लिखित परीक्षाको पाठ्यक्रम

क-ग

प्रथम पत्र : बैकिङ्ग, लेखा तथा कम्प्युटर। आइटी

पुर्णाङ्क - १००

## समुह- क : बैकिङ्ग

|  |    |
|--|----|
| १) बैकिङ्ग अवधारणा र विकास   | ३  |
| २) नेपालमा बैकिङ्ग विकास र हालको अवस्था एवं चुनौतीहरू  | ६  |
| ३) तहगत बैकिङ्ग प्रणाली (क, ख, ग, घ वर्गीकरण)  | १३ |
| ४) ग्राहकमूखी बैकिङ्ग सेवा   | २१ |
| ५) ग्राहक संरक्षण सिद्धान्त  | २४ |
| ६) ग्राहक पहिचान (Know Your Customers / KYC)   | २९ |
| ७) निक्षेपका प्रकार एवं संकलन तथा परिचालन  | ३१ |
| ८) कर्जा लगानी र यसका सिद्धान्तहरू   | ३२ |
| ९) कर्जा वर्गीकरण (Loan Classification) / व्यवस्था (Provision)   | ३५ |
| १०) रेमिटान्स (Remittance)   | ३९ |
| ११) भूतानीका साधनहरू (Cheque, Draft, Letters of Credit, Debit/Credit card, Electronic Transfer, Branch Less Banking (BLB), ABBS, ATM, Mobile Banking)        | ४३ |
| १२) शेयर, डिभेन्चर र ऋणपत्र सम्बन्धी अवधारणा   | ५८ |
| १३) वाणिज्य बैकको काम कर्तव्य र अधिकार   | ६२ |
| १४) नेपालको आर्थिक तथा बैकिङ्ग विकासमा राष्ट्रिय वाणिज्य बैकको भूमिका  | ६६ |
| १५) नेपाल राष्ट्र बैकको काम कर्तव्य र अधिकार   | ७२ |
| १६) International Organizations - I.M.F(International Monetary Fund), World Bank, A.D.B.(Asian Development Bank), I.F.C. (International Finance Corporation) | ७७ |

## समुह - ख : बैक तथा वित्तीय संस्था सम्बन्धित ऐन, नियम तथा नियमनहरू

|   |     |
|---|-----|
| १) नेपाल राष्ट्र बैक ऐन, २०५८                           | ८७  |
| २) बैक तथा वित्तीय संस्था सम्बन्धी ऐन, २०६३             | १०२ |
| ३) बैकिङ्ग कसुर तथा सजाय ऐन, २०६४                       | ११४ |
| ४) सम्पत्ति शूद्धीकरण (मनी लाउन्डरिङ्ग) निवारण ऐन, २०६४ | ११८ |
| ५) विनिमेय अधिकारपत्र ऐन, २०३४                          | १३२ |
| ६) कम्पनी ऐन, २०६३ (Company Act, 2063)                  | १४० |
| ७) आयकर ऐन, २०५८ र आयकर नियमावली, २०५९                  | १५५ |
| ८) विद्युतीय कारोबार सम्बन्धी ऐन, २०६३                  | १६९ |
| ९) विदेशी विनिमय (नियमित गर्ने) ऐन, २०१९                | १८० |

|   |     |
|---|-----|
| (१०) विदेशी लगानी तथा प्रविधि हस्तान्तरण ऐन, २०४९ | १८७ |
| (११) सुरक्षित कारोवार ऐन                          | १९० |

### समुह - ग: लेखा प्रणाली (Accounting System)

|   |     |
|---|-----|
| (१) दोहोरो लेखा प्रणाली (Double Entry System) र यसका विशेषताहरू | १९७ |
| (२) नगद खाता र सानो नगदी कोष                                    | २०० |
| (३) विभिन्न प्रकारका खाताहरूको जानकारी                          | २०३ |
| (४) सन्तूलन परीक्षण (Trial Balance)                             | २०५ |
| (५) नाफा-नोक्सान हिसाव (Profit & Loss Account)                  | २०९ |
| (६) वासलात (Balance Sheet)                                      | २१३ |
| (७) लेखापरीक्षण र यसको महत्व (Auditing and its Important)       | २१५ |

### समुह- घ: बैंकको आन्तरिक लेखा प्रणाली

|   |     |
|---|-----|
| (१) वाणिज्य बैंकहरूको वित्तीय विवरण एवं यसका प्रमुख तत्वहरू     | २२३ |
| (२) जिन्सी व्यवस्थापन र यसको महत्व                              | २२६ |
| (३) स्थिर सम्पति एवं ह्रासकट्टी (Fixed Assets and Depreciation) | २२९ |
| (४) बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको पूँजी एवं पूँजीकोष             | २३२ |
| (५) बैंकिङ्ग कारोवारमा निहित जोखिमहरू                           | २३६ |
| (६) नेपाल राष्ट्र बैंकले जारी गरेका निर्देशनहरू                 | २४० |
| (७) पूँजी कोषको स्रोत तथा उपयोग                                 | २४१ |
| (८) नगद प्रवाह विवरण  | २४५ |

### समुह- ङ: कम्प्युटर । आईटी सम्बन्धी ज्ञान (Knowledge on Computer / IT)

|   |     |
|---|-----|
| (1) Windows   | २५१ |
| (2) Word Processing System  | २५२ |
| (3) Excel   | २५५ |
| (4) Computer Operating System (DOS, Windows, LINUS, UNIX)   | २५८ |
| (5) Database Management System : Data, Information and Database, Types of Database, Data Security | २६२ |
| (6) Internet, Intranet, Extranet, Internet Service and e-mail System .                            | २६७ |
| (7) IT Policy and Development in Nepal  | २७१ |
| (8) NRB, IT Policy and IT Guidelines  | २७३ |

### द्वितीय पत्र : व्यवस्थापन, गणित तथा सेवा सम्बन्धी

पुर्णाङ्क - १००

### समुह - क : व्यवस्थापन

|   |     |
|---|-----|
| (१) व्यवस्थापनका सिद्धान्त तथा कार्यहरू                                 | २७८ |
| (२) उत्प्रेरणा (Motivation) / द्वन्द्व व्यवस्थापन (Conflict Management) | २८९ |
| (३) व्यवस्थापनमा सुचना तथा संचार प्रणालीको भूमिका                       | ३०६ |
| (४) संस्थागत सूशासन   | ३१० |
| (५) कर्मचारीको कार्य सम्पादन मुल्याङ्कन                                 | ३१३ |
| (६) निर्णय क्षमताको महत्व र भूमिका                                      | ३१९ |

|   |                |
|---|----------------|
| (७) व्यवस्थापनमा नेतृत्वको महत्व र भूमिका                               | ३२१            |
| (८) बजेटको सिद्धान्त र महत्व  | ३२३            |
| <b>समुह - ख : कार्यालय व्यवस्थापन (Office Management)</b>               |                |
| (१) चिठी पत्र र पत्राचार ( Letter Writing and Correspondent)            | ३३१            |
| (२) टिप्पणी (Tippani)   | ३३७            |
| (३) रेकर्ड व्यवस्थापन (Record Management)                               | ३३९            |
| (४) फाइलिङ (Filing)   | ३४४            |
| (५) अनुक्रमणिका (Indexing)  | ३४८            |
| (६) कार्यालय संरचना (Office Layout)                                     | ३४९            |
| (७) कार्यालयमा संचारको महत्व  | ३५६            |
| <b>समुह- ग : मानव संसाधन व्यवस्थापन (Human Resource Management)</b>     |                |
| (१) मानव संसाधन व्यवस्थापनका उद्देश्यहरू                                | ३६३            |
| (२) कार्य विश्लेषण (Job Analysis)                                       | ३६६            |
| (३) कर्मचारी तालिम र यसको महत्व   | ३७०            |
| (४) नेतृत्व र कर्मचारी बीचको सम्बन्ध                                    | ३७४            |
| (५) Performance Appraisal and Reward System                             | ३७६            |
| (६) Recruitment, Selection and Socialization.                           | ३७८            |
| (७) Total Quality Management and Quality circle.                        | ३८७            |
| (८) वृत्ति विकास योजना (Career Planning).                               | ३९५            |
| <b>समुह- घ : गणित (Arithmetic)</b>                                      |                |
| (१) साधारण तथा चक्रिय व्याज (Simple and Compound Interest)              | ४०२            |
| (२) प्रतिशत (Percentage)  | ४१३            |
| (३) अनुपात र समानुपात (Ratio & Proportion)                              | ४२०            |
| (४) ऐकिक नियम (Unitary Method)  | ४२६            |
| (५) साधारण तथा भारित औसत (Simple and Weight age Average)                | ४३५            |
| (६) नाफा नोक्सान (Profit & Loss)  | ४३८            |
| <b>समुह- ङ : सेवा सम्बन्धी</b>  |                |
| (१) विप्रेषण कारोवार  | ४४५            |
| (२) कोष व्यवस्थापन  | ४४५            |
| (३) अन्तरशाखा तथा अन्तर बैंक कारोवार                                    | ४४८            |
| (४) कोष तथा गैर कोषमा आधारित कारोवार                                    | ४५०            |
| (५) Bank Risks Management Including BASEL II and Related NRB Directive. | ४५५            |
| (६) बाणिज्य बैंकको काम कारवाही सम्बन्धी                                 | ४५९            |
| <b>नेपाल राष्ट्र बैंकले जारी गरेका निर्देशनहरूको प्रश्नोत्तर</b>        | <b>४६०-५०५</b> |
| नोट कोष (Currency chest)  | ५०६            |
| सफा तथा झुठ्रा नोट सम्बन्धी नीति  | ५१०            |
| सूनचाँदी कर्जा  | ५११            |

राष्ट्रिय बाणिज्य बैंक लिमिटेड तह ५ वरिष्ठ सहायक (प्रशासन सेवा र प्रशासन समुह)  
पदको खुला प्रतियोगितात्मक लिखित परीक्षाको पाठ्यक्रम

| पत्र    | विषय                               | पुर्णाङ्क | समय     | परीक्षाको किसिम | उत्तर दिनुपर्ने प्रश्न संख्या र अंक   |
|---------|------------------------------------|-----------|---------|-----------------|---|
| प्रथम   | बैंकिङ्ग, लेखा तथा कम्प्युटर/आइटी  | १००       | ३ घण्टा | विषयगत          | प्रत्येक समुहबाट १/१ गरी जम्मा ५ प्रश्नहरू सोधिनेछन् र सबै प्रश्नको उत्तर अनिवार्य छ। |
| द्वितीय | व्यवस्थापन, गणित तथा सेवा सम्बन्धी | १००       | ३ घण्टा | विषयगत          | प्रत्येक समुहबाट १/१ गरी जम्मा ५ प्रश्नहरू सोधिनेछन् र सबै प्रश्नको उत्तर अनिवार्य छ। |

पाठ्यक्रमको बिस्तृत विवरण :

प्रथम पत्र : बैंकिङ्ग, लेखा तथा कम्प्युटर / आइटी

पुर्णाङ्क - १००

समुह- क : बैंकिङ्ग

- (१) बैंकिङ्ग अवधारणा र विकास
- (२) नेपालमा बैंकिङ्ग विकास र हालको अवस्था एवं चुनौतीहरू (Banking Development in Nepal, Recent Status and challenges)
- (३) तहगत बैंकिङ्ग प्रणाली (क,ख,ग,घ वर्गीकरण)
- (४) ग्राहकमुखी बैंकिङ्ग सेवा
- (५) ग्राहक संरक्षण सिद्धान्त (Client Protection Principle)
- (६) ग्राहक पहिचान (Know Your Customers / KYC)
- (७) निक्षेपका प्रकार एवं संकलन तथा परिचालन
- (८) कर्जा लगानी र यसका सिद्धान्तहरू
- (९) कर्जा वर्गीकरण (Loan Classification) / व्यवस्था (Provision)
- (१०) रेमिटान्स (Remittance)
- (११) भूतकानीका साधनहरू (Cheque, Draft, Letters of Credit, Debit/Credit card, Electronic Transfer, Branch Less Banking (BLB), ABBS, ATM, Mobile Banking)
- (१२) शेयर, डिबेन्चर र ऋणपत्र सम्बन्धी अवधारणा (General Concept of Share, Debenture and Bonds)
- (१३) वाणिज्य बैंकको काम कर्तव्य र अधिकार (Functions of Commercial Banks)
- (१४) नेपालको आर्थिक तथा बैंकिङ्ग विकासमा राष्ट्रिय बाणिज्य बैंकको भूमिका (Role of RBB in Economic and Banking Development of Nepal)
- (१५) नेपाल राष्ट्र बैंकको काम कर्तव्य र अधिकार (Functions of Nepal Rastra Bank)
- (१६) International Organizations – I.M.F(International Monetary Fund), World Bank, A.D.B.(Asian Development Bank), I.F.C.(International Finance Corporation)

समुह - ख : बैंक तथा वित्तीय संस्था सम्बन्धित ऐन, नियम तथा नियमनहरू

- (१) नेपाल राष्ट्र बैंक ऐन, २०५८
- (२) बैंक तथा वित्तीय संस्था सम्बन्धी ऐन, २०६३
- (३) बैंकिङ्ग कसुर तथा सजाय ऐन, २०६४
- (४) सम्पत्ति शूद्धीकरण (मनी लाउन्डरिङ्ग) निवारण ऐन, २०६४
- (५) विनिमेय अधिकारपत्र ऐन, २०३४



- (६) कम्पनी ऐन, २०६३
- (७) आयकर ऐन, २०५८ र आयकर नियमावली, २०५९
- (८) विद्युतीय कारोवार सम्बन्धी ऐन, २०६३
- (९) विदेशी विनिमय (नियमित गर्ने ऐन, २०१९)
- (१०) विदेशी लगानी तथा प्रविधि हस्तान्तरण ऐन, २०४९
- (११) सुरक्षित कारोवार ऐन

#### समूह - ग: लेखा प्रणाली (Accounting System)

- (१) दोहोरो लेखा प्रणाली (Double Entry System) र यसका विशेषताहरू
- (२) नगद खाता र सानो नगदी कोष
- (३) विभिन्न प्रकारका खाताहरूको जानकारी
- (४) सन्तुलन परीक्षण (Trial Balance)
- (५) नाफा-नोक्सान हिसाव (Profit & Loss Account)
- (६) वासलात (Balance Sheet)
- (७) लेखापरीक्षण र यसको महत्व (Auditing and its Important)

#### समूह- घ : बैंकको आन्तरिक लेखा प्रणाली

- (१) वाणिज्य बैंकहरूको वित्तीय विवरण एवं यसका प्रमुख तत्वहरू (Financial Statement of Commercial Banks & its core elements)
- (२) जिन्सी व्यवस्थापन र यसको महत्व (Inventory Management and its importance)
- (३) स्थिर सम्पति एवं ह्रासकट्टी (Fixed Assets and Depreciation)
- (४) बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको पूँजी एवं पूँजीकोष (Capital & Capital Fund of banks & Financial Institutions)
- (५) बैकिङ्ग कारोवारमा निहित जोखिमहरू
- (६) नेपाल राष्ट्र बैंकले जारी गरेका निर्देशनहरू

#### समूह- ङ : कम्प्युटर/आइटी सम्बन्धी ज्ञान (Knowledge on Computer / IT)

- (1) Windows
- (2) Word Processing System
- (3) Excel
- (4) Computer Operating System (DOS, Windows, LINUS, UNIX)
- (5) Database Management System : Data, Information and Database, Types of Database, Data Security
- (6) Internet, Intranet, Extranet, Internet Service and e-mail System .
- (7) IT Policy and Development in Nepal
- (8) NRB, IT Policy and IT Guidelines

### द्वितीय पत्र : व्यवस्थापन, गणित तथा सेवा सम्बन्धी

पुर्णाङ्क - १००

#### समूह - क : व्यवस्थापन

- (१) व्यवस्थापनका सिद्धान्त तथा कार्यहरू
- (२) उत्प्रेरणा (motivation) र द्वन्द्व व्यवस्थापन (conflict Management)
- (३) व्यवस्थापनमा सूचना तथा संचार प्रणालीको भूमिका
- (४) संस्थागत सूशासन
- (५) कर्मचारीको कार्य सम्पादन मूल्याङ्कन

- (६) निर्णय क्षमताको महत्व र भूमिका
- (७) व्यवस्थापनमा नेतृत्वको महत्व र भूमिका
- (८) बजेटको सिद्धान्त र महत्व

**समुह - ख : कार्यालय व्यवस्थापन (Office Management)**

- (१) चिठी पत्र र पत्राचार (Letter Writing and Correspondent)
- (२) टिप्पणी (Tippani)
- (३) रेकर्ड व्यवस्थापन (Record Management)
- (४) फाइलिङ्ग (Filing)
- (५) अन्कृमणिका (Indexing)
- (६) कार्यालय संरचना (Office Layout)
- (७) कार्यालयमा संचारको महत्व (Importance of Communication in offices)

**समुह- ग : मानव संशाधन व्यवस्थापन (Human Resource Management)**

- (१) मानव संशाधन व्यवस्थापनका उद्देश्यहरू (Objectives of Human Resource Management)
- (२) कार्य विश्लेषण (Job Analysis)
- (३) कर्मचारी तालिम र यसको महत्व
- (४) नेतृत्व र कर्मचारी बीचको सम्बन्ध (Leadership & Employee relation)
- (५) Performance Appraisal and Reward System
- (६) Recruitment, Selection and Socialization .
- (७) Total Quality Management and Quality circle .
- (८) Career Planning .

**समुह- घ : गणित (Arithmetic)**

- (१) साधारण तथा चक्रिय ब्याज (Simple and Compound Interest)
- (२) प्रतिशत (Percentage)
- (३) अनुपात र समानुपात (Ratio & Proportion)
- (४) ऐकिक नियम (Unitary Method)
- (५) साधारण तथा भारित औसत (Simple and Weightage Average)
- (६) नाफा नोक्सान (Profit & Loss)

**समुह- ड. : सेवा सम्बन्धी**

- (१) विप्रेषण कारोवार
- (२) कोष व्यवस्थापन
- (३) अन्तरशाखा तथा अन्तर बैंक कारोवार
- (४) कोष तथा गैर कोषमा आधारित कारोवार
- (५) Bank Risks Management Including BASEL II and Related NRB Directive.
- (६) वाणिज्य बैंकको काम कारवाहीसम्बन्धी

**द्रष्टव्य :**

- (१) परीक्षाको माध्यम नेपाली वा अंग्रेजी भाषा हुनेछ ।
- (२) यस पाठ्यक्रममा जेसुकै लेखिएको भएता पनि प्रत्येक विषयमा परेका ऐन नियमहरू परीक्षाको मिति भन्दा ३ (तीन) महिना अगाडी संशोधन भएको र खारेज भएको जतिको हकमा संशोधन वा खारेज भई कायम रहेकालाई यस पाठ्यक्रममा परेको सम्झनु पर्नेछ ।
- (३) लिखित परीक्षाको प्रत्येक पत्रमा न्युनतम ४० प्रतिशत अङ्क प्राप्त गर्नु पर्नेछ ।

राष्ट्रिय वाणिज्य बैंक लिमिटेड तह ५ वरिष्ठ सहायक (नगद) (प्रशासन सेवा र नगद समुह) पदको खूला प्रतियोगितात्मक लिखित परीक्षाको पाठ्यक्रम

| पत्र    | विषय                               | पुर्णाङ्क | समय     | परीक्षाको किसिम | उत्तर दिनुपर्ने प्रश्न संख्या र अंक   |
|---------|------------------------------------|-----------|---------|-----------------|---|
| प्रथम   | बैंकिङ्ग, लेखा तथा सूचना प्रविधि   | १००       | ३ घण्टा | विषयगत          | प्रत्येक समुहबाट १/१ गरी जम्मा ५ प्रश्नहरू सोधिनेछन् र सबै प्रश्नको उत्तर अनिवार्य छ। |
| द्वितीय | व्यवस्थापन, गणित तथा सेवा सम्बन्धी | १००       | ३ घण्टा | विषयगत          | प्रत्येक समुहबाट १/१ गरी जम्मा ५ प्रश्नहरू सोधिनेछन् र सबै प्रश्नको उत्तर अनिवार्य छ। |

पाठ्यक्रमको बिस्तृत विवरण :

प्रथम पत्र : बैंकिङ्ग, लेखा तथा सूचना प्रविधि

पुर्णाङ्क - १००

समुह- क : बैंकिङ्ग

- (१) बैंकिङ्ग अवधारणा र विकास
- (२) नेपालमा बैंकिङ्ग विकास र हालको अवस्था एवं चुनौतीहरू (Banking Development in Nepal, Recent Status and challenges)
- (३) नेपाल राष्ट्र बैंकको काम कर्तव्य र अधिकार (Functions of Nepal Rastra Bank)
- (४) नेपालको आर्थिक तथा बैंकिङ्ग विकासमा राष्ट्रिय वाणिज्य बैंकको भूमिका (Role of RBB in Economic and Banking Development of Nepal)
- (५) वाणिज्य बैंकको काम कर्तव्य र अधिकार (Functions of Commercial Banks)
- (६) तहगत बैंकिङ्ग प्रणाली (क,ख,ग,घ वर्गीकरण)
- (८) ग्राहकमूखी बैंकिङ्ग सेवा
- (८) ग्राहक संरक्षण सिद्धान्त (Client Protection Principle)
- (९) ग्राहक पहिचान (Know Your Customers / KYC)
- (१०) निक्षेपका प्रकार एवं संकलन तथा परिचालन
- (११) कर्जा लगानी र यसका सिद्धान्तहरू
- (१२) कर्जा वर्गीकरण (Loan Classification) / व्यवस्था (Provision)
- (१३) रेमिटान्स (Remittance)

समुह -ख : बैंक तथा वित्तीय संस्था सम्बन्धित ऐन, नियम तथा नियमनहरू

- (१) नेपाल राष्ट्र बैंक ऐन, २०५८ (Nepal Rastra Bank Act, 2058)
- (२) बैंक तथा वित्तीय संस्था सम्बन्धी ऐन, २०६३ (Bank & Financial Institutional Act, 2063)
- (३) बैंकिङ्ग कसुर तथा सजाय ऐन, २०६४ (Banking Offence and Punishment Act, 2064)
- (४) सम्पत्ति शूद्धीकरण (मनी लाउन्डरिङ्ग) निवारण ऐन, २०६४ (Anti money Laundering Act, 2064)
- (५) विनिमेय अधिकारपत्र ऐन, २०३४ (Negotiable Instrument Act, 2034)
- (६) विद्युतीय कारोवार सम्बन्धी ऐन, २०६३
- (७) कम्पनी ऐन, २०६३ (Company Act, 2063)



**समूह -ग: लेखा प्रणाली (Accounting System)**

- (१) दोहोरो लेखा प्रणाली (Double Entry System) र यसका विशेषताहरू
- (२) नगद खाता र सानो नगदी कोष
- (३) सन्तुलन परीक्षण (Trial Balance)
- (४) जिन्सी व्यवस्थापन र यसको महत्व (Inventory Management and its importance)
- (५) स्थिर सम्पति एवं हासकट्टी (Fixed Assets and Depreciation)
- (६) लेखापरीक्षण र यसको महत्व (Auditing and its Important)

**समूह- घ. : वित्तीय विवरण (Financial Statement)**

- (१) वाणिज्य बैंकहरूको वित्तीय विवरण एवं यसका प्रमुख तत्वहरू (Financial Statement of Commercial Banks & its Core Elements)
- (२) बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको पूँजी एवं पूँजीकोष (Capital & Capital Fund of banks & Financial Institutions)
- (३) पूँजीको स्रोत तथा उपयोग (Source and Uses of Capital/Fund)
- (४) वासलत (Balance Sheet)
- (५) नाफा नोक्सान हिसाब (Profit and Loss)
- (६) नगद प्रवाह विवरण (Cash Flow Statement)

**समूह- ङ : सूचना प्रविधिसम्बन्धी ज्ञान (Knowledge on Information Technology)**

- (१) Windows
- (२) Word Processing System
- (३) Excel
- (४) Computer Operating System (DOS, Windows, LINUS, UNIX)
- (५) Database Management System : Data, Information and Database, Types of Database, Data Security
- (६) Internet, Intranet, Extranet, Internet Service and e-mail System.
- (७) IT Policy and Development in Nepal
- (८) NRB, IT Policy and IT Guidelines

---

**द्वितीय पत्र : व्यवस्थापन, गणित तथा सेवा सम्बन्धी पुर्णाङ्क - १००**

---

**समूह - क : व्यवस्थापनको अवधारणा (Concept of management)**

- (१) व्यवस्थापनका सिद्धान्त तथा कार्यहरू
- (२) उत्प्रेरणा (Motivation) र द्वन्द व्यवस्थापन (Conflict Management)
- (३) व्यवस्थापनमा सूचना तथा संचार प्रणालीको भूमिका
- (४) कर्मचारीको कार्य सम्पादन मूल्याङ्कन
- (५) व्यवस्थापनमा नेतृत्वको महत्व र भूमिका

**समूह - ख : कार्यालय व्यवस्थापन (Office Management)**

- (१) चिठी पत्र र पत्राचार (Letter Writing and Correspondent)
- (२) टिप्पणी (Tippani)
- (३) रेकर्ड व्यवस्थापन (Record Management)
- (४) फाइलिङ (Filing)
- (५) अनुक्रमणिका (Indexing)
- (६) कार्यालय संरचना (Office Layout)



(७) कार्यालयमा संचारको महत्व (Importance of Communication in offices)

**समुह- ग : मानव संशाधन व्यवस्थापन (Human Resource Management)**

(१) मानव संशाधन व्यवस्थापनका उद्देश्यहरू (Objectives of Human Resource Management)

(२) कार्य विश्लेषण (Job Analysis)

(३) कर्मचारी तालिम र यसको महत्व

(४) नेतृत्व र कर्मचारी बीचको सम्बन्ध (Leadership & Employee relation)

(५) Performance Appraisal and Reward System

(६) Recruitment, Selection and Socialization .

(७) Career Planning .

**समुह- घ : साधारण गणित (Simple Arithmetic)**

(१) साधारण तथा चक्रिय व्याज (Simple and Compound Interest)

(२) प्रतिशत (Percentage)

(३) अनुपात र समानुपात (Ratio & Proportion)

(४) ऐकिक नियम (Unitary Method)

(५) साधारण तथा भारित औषत (Simple and Weightage Average)

(६) नाफा नोक्सान (Profit & Loss)

**समुह- ड. : सेवा सम्बन्धी**

(१) कोष व्यवस्थापन

(२) नोट कोष /भा.रु. कोष

(३) सुन चाँदी कर्जा

(४) सफा तथा भुत्रा नोट सम्बन्धी नीति

(५) विप्रेषण कारोवार

(६) अन्तरशाखा तथा अन्तर बैंक कारोवार

(७) कोष तथा गैर कोषमा आधारित कारोवार

**द्रष्टव्य :**

(१) परीक्षाको माध्यम नेपाली वा अंग्रेजी भाषा हुनेछ ।

(२) यस पाठ्यक्रममा जेसुकै लेखिएको भएता पनि प्रत्येक विषयमा परेका ऐन नियमहरू परीक्षाको मिति भन्दा ३ (तीन) महिना अगाडी संशोधन भएको र खारेज भएको जतिको हकमा संशोधन वा खारेज भई कायम रहेकालाई यस पाठ्यक्रममा परेको सम्झनु पर्नेछ ।

(३) लिखित परीक्षाको प्रत्येक पत्रमा न्युनतम ४० प्रतिशत अङ्क प्राप्त गर्नु पर्नेछ ।

प्रथम पत्र

## बैंकिङ लेखा तथा कम्प्युटर/आइटी

समुह 'क' : बैंकिङ

समुह 'ख' : बैंक तथा वित्तीय संस्था सम्बन्धित ऐन, नियम तथा नियमनहरू

समुह 'ग' : लेखा प्रणाली (Accounting System)

समुह 'घ' : बैंकको आन्तरिक लेखा प्रणाली

समुह 'ङ' : कम्प्युटर/आइटी सम्बन्धी ज्ञान  
(Knowledge on Computer/ IT)

(हरेक समूहबाट सोधिने प्रश्न संख्या १ अंक २० हुनेछ ।)

समुह : क

## बैंकिङ्ग

### (१) बैंकिङ्ग अवधारणा र विकास

#### 'बैंक' शब्दको जन्म (Origin of Bank)

वर्तमान अर्थतन्त्रमा मुद्राको ठूलो महत्त्व रही आएको छ । असंगठित बैंकिङ्ग पद्धतिको उत्पत्ति प्राचिन समयमै भएको पाइन्छ । मुद्राको उत्पत्तिसँगै कर्जा लेनदेनको व्यवहार पनि प्राचिनकालदेखि नै चलदै आएको मान्न सकिन्छ । बैंक शब्दको उत्पत्तिको इतिहासलाई जोतल्ने हो भने 'बैंक' शब्दको जन्मको बारेमा विद्वानहरूबीचमा मतभिन्नता रहेको पाइन्छ । Bank भन्ने शब्दको विकास इटालियन भाषाको Banco बाट भएको अनुमान धेरै अर्थशास्त्रीहरूले गरेको पाइन्छ । जसको अर्थ बेन्च हुन्छ जहाँ प्राचीनकालका सराफी तथा Gold Smith हरू पैसा राखेर गन्ने तथा लेनदेन कारोबार गर्दथे । यसै कारोबारपछि विकसित भई Bank भन्ने अवधारणा विकसित भएको भन्ने अनुमान गरिएको छ । त्यस्तै अंग्रेजी शब्द 'Bank' निर्माणमा ल्याटिन शब्द 'Bancus' (एउटा बेञ्च हो, जसमा बसेर बैंकरहरूले आफ्नो रकम पैसा र अभिलेख राख्ने), फ्रेंच शब्द 'Banque' र इटालियन शब्द 'Banca' (त्यस्तो बेञ्च हो, जहाँ बसेर रकम पैसा राख्ने लगानी एवं विनिमय जस्ता काम सुनार सराफीहरूले गर्थे) र त्यस्तै जर्मन शब्द 'Bank' (सामुहिक पूँजी) को भूमिका रहेको देखिन्छ ।

प्रसिद्ध अर्थशास्त्रीहरूले फोनिसिया (Phoenicia), चाल्दिया (Chaldea) र मिश्र (Egypt) मा प्रारम्भिक बैंक भन्ने चर्चा गरेका छन् भने प्राचीनकालमा रोममा पनि बैंकिङ्ग कारोबारको प्रारम्भ भएको थियो । ई.सं. २००० वर्ष पहिले पनि Babylona मा बैंकिङ्ग कारोबार गरेका थिए भन्ने चर्चा पाइन्छ । आधुनिक बैंकिङ्ग प्रणालीको उपयुक्त विकास थालनीमा सन् ११४८ मा Genoa मा Casa de San Giorgio Bank र सन् ११५७ तिर Bank of Vanice को स्थापना भएको थियो । त्यसैगरी सन् १३०१ मा

Barcelona Bank र सन् १४०७ मा Bank of Geneva को स्थापना भएको पाइन्छ । सन् १६०९ मा Holland मा Bank of Amsterdam, सन् १६१९ मा Germany मा German Bank of Hemburgeg र सन् १६९४ मा England मा Bank of England को स्थापना भएको थियो । सन् १७९१ U.S.A. मा Bank of United States को स्थापना गरी त्यसको पूँजी बराबरको रकमसम्म नोट छाप्न सक्ने अधिकारसमेत दिइएको थियो । यसरी नै विश्वमा आधुनिक बैकिङ प्रणालीको थालनी भएको पाइन्छ ।

### ‘बैंक’ को अर्थ (Meaning of a Bank)

सामान्यतया पैसा र मूल्यवान सम्पत्ति सुरक्षित राखी ग्राहकको आदेशअनुसार पैसा भुक्तानी दिने संस्थालाई बैंक भनिन्छ । अर्थात् बैंक त्यो संस्था हो जसले विभिन्न खातामा जनताबाट मुद्रा जम्मा गरी जनतालाई सुरक्षित जमानतमा कर्जा दिन्छ र जम्माकर्तालाई चेकद्वारा रूपैया निकाल्ने सुविधा दिन्छ, साखको निर्माण गर्दछ र एजेन्सी सम्बन्धी वा अन्य उपयोगी कार्य गर्दछ । अर्थतन्त्रका वचत कारोबार (Saving), ऋण कारोबार (Credits) तथा भुक्तानी सेवा (Payments Services) जस्ता वित्तीय काम कारवाही तथा क्रियाकलापहरू व्यापक रूपमा सरोकारवालाहरूकाबीच सम्पादन गर्ने गराउने संस्था नै वास्तवमा बैंक हो ।

अर्को शब्दमा भन्नुपर्दा बैंक भन्नाले मुद्राको कारोबार गर्ने विश्वास प्राप्त सेवा व्यवसाय (Service Industry) गर्ने संस्था बुझिन्छ, जसले आवश्यकताअनुसार साख सिर्जना, विप्रेषण जस्ता कारोबार लगायत अन्य व्यापारिक तथा एजेन्सी व्यवसायसमेत संचालन गर्दछन् । यहाँनेर मुद्राको कारोबार भन्नाले तरल सम्पत्ति (निक्षेप) स्वीकार गर्ने जसमा ब्याज प्रदान गर्ने वा नगर्ने, सेवा शुल्क लिने वा नलिने पनि हुन सक्दछ । यसरी स्वीकार गरिएको वा आफूले जम्मा गरेको तरल सम्पत्ति ब्याज लिई वा नलिई कर्जा प्रवाह गर्ने कार्यलाई बैकिङको रूपमा लिन खोजिएको छ । त्यसैले बैंक भन्नाले निक्षेप स्वीकार गर्ने, कर्जा प्रवाह गर्ने प्रमुख दुई कार्यका साथै साख सिर्जना, विप्रेषण, एजेन्सी तथा अन्य वित्तीय कारोबार गर्ने संस्थालाई बुझिन्छ । यस संस्थाले जहिले पनि जनविश्वास अनुसार नगद कारोबार गर्नुपर्दछ । साथै अन्य वित्तीय सेवाहरू जस्तै वित्तीय सल्लाहकार, अन्य वित्तीय सेवाहरू जस्तै जीवन तथा निर्जीवन बीमा बिक्री, अवकास योजना बिक्री र ग्राहकको पूँजीको व्यवस्थापन गर्ने आदि गर्दछ ।

### ‘बैंक’ को ऐतिहासिक पृष्ठभूमि (Historical Background of a Bank)

बैकिङ व्यवसायको उत्पत्तिको समय एकिन गर्न कठिन छ । समाजको विकास क्रमसँगै मानिसहरू समूहमा बस्न र आफ्नो उद्योग व्यवसाय संचालन गर्न थाले । त्यसपछि उनीहरूका आवश्यकताहरू बढ्दै गए । आफूले आर्जन गरेको सम्पत्तिलाई संरक्षण गर्नु



पर्दछ, भन्ने अवधारणाको विकास भयो र आफ्नो विश्वास लागेको मानिसलाई तरल सम्पत्ति वा सून चाँदी सुरक्षित राख्न दिने प्रचलन विकसित भयो। तत्कालिन समयमा merchants (जसले व्यापारिक कारोबार गर्दथे) उनीहरू बढी विश्वासिला भए र सबैले आफ्नो सम्पत्तिको सुरक्षणको जिम्मा उनीहरूलाई नै लगाउन थाले। उनीहरूसँग जनसाधारणले सम्पत्ति राखी दिन अनुरोध गर्न थाले। त्यसपछि Merchants ले सम्पत्ति राख्न ल्याउनेलाई निस्साको रूपमा कागजमा लेखेर दिन र लिन थाले। जुन कालान्तरमा गएर निक्षेप भौचर र चेकको रूपमा विकसित भयो।

साथै मानिसहरू आफ्नो गर्जो फुकाउनका लागि सापट पनि लिन थाले। कालान्तरमा व्यवसायिक कारोबारको प्रचलन बढ्दै गएपछि सो व्यवसाय संचालनका लागि पूँजीको खाँचो पनि बढ्दै गयो। यसको फलस्वरूप मानिसहरूले आफ्नो गर्जो फुकाउनका लागि स्थानीय साहुकार (Money Lender जोसँग सम्पत्ति छ) सँग सापट लिने प्रचलन पनि विकसित हुँदै गयो, कारोबार बढ्दै गयो र नयाँ अवधारणा विकसित भयो। यी Money Lender ले अरूलाई प्रारम्भमा बिना ब्याज पूँजी उपलब्ध गराएपनि विस्तारै केही रकम असूली गर्न थाले जसलाई पछि गएर कर्जाको ब्याज (Credit Rate) भन्न थाले।

सापट लिनेसँग लिएको शुल्क आफूले मात्र राख्दा तरल सम्पत्ति राख्न ल्याउनेलाई ठगे जस्तो हुने भएपछि उनीहरूलाई पनि केही हिस्सा दिन थाले। पछि आएर सो (Deposit Rate) निक्षेप दरमा परिणत भयो। यसरी कर्जादर तथा निक्षेपदरको विकास भएको पाइन्छ।

सुनको व्यापार गर्ने समुदाय Gold Smith हरू पनि कालान्तरमा बजारमा देखिन थाले पछि गएर यी Gold Smith ले नै जनसाधारणको विश्वास लिन थाले र मानिसहरूले आफ्नो सम्पत्तिको जिम्मेवारी यी Gold Smith लाई लगाउन थाले।

जतिजति व्यवसायिक कारोबारहरू बढ्दै गए मानिसहरूलाई पूँजीको खाँचो पनि बढ्न थाल्यो। फलस्वरूप व्यावसायिक कारोबार बढी भएको ठाँउमा कर्जाको माग बढी हुन गएको कारणले गर्दा बैकिङ संस्थाहरूको विकास हुन गयो। अतः बैकिङ व्यवसायको विकास औद्योगिक व्यवसायको प्रारम्भसँगसँगै हुन गएको भन्ने स्पष्ट हुन आउँछ। यसरी एक व्यवसायले अर्को व्यवसायको विकासमा महत्वपूर्ण सहयोग पुऱ्याएको देखिन्छ।

बैकिङ व्यवसायको विकासलाई हेर्दा United States of America मा पहिला औद्योगिक विकास भएको र सोको आवश्यकता पूरा गर्नकालागि बैकिङ व्यवसायको विकास र विस्तार भएको पाइन्छ। England मा भने पहिले बैकिङ व्यवसायको विकास भयो सोको पछिमात्र औद्योगिक क्रान्तिको प्रारम्भ भई औद्योगिक विकासको क्रम प्रारम्भ भएको थियो। त्यसैले औद्योगिक विकास र बैकिङ व्यवसाय विकासको अत्यन्तै गहिरो सम्बन्ध भएको स्पष्ट हुन्छ।

## (२) नेपालमा बैकिङ विकास र हालको अवस्था एवं चुनौतीहरू

### नेपालमा बैकिङ व्यवसाय (Banking Industry in Nepal)

नेपालको बैकिङ इतिहासलाई विश्लेषण गर्दा प्राचिनकालदेखि नै वास्तुकला, मुर्तिकला र काष्ठकलाको व्यवसायिक रूपमा विकास भएको कारणले प्राचिनकालमा नै मुद्राको उत्पत्ति र विकाससँगसँगै बैकिङ विकास प्रथा सुरु भएको पाइन्छ। नेपालको बैकिङ प्रणालीको विकासक्रमलाई अध्ययन गर्दा नेपालको गाउँका साहु महाजनहरूको व्यावसायिक कारोवारलाई लिइन्छ। यसरी स्थानीय साहुकारसँगबाट कर्जा लिएर बापत ऋणीले साहुलाई विभिन्न नाममा ब्याज बुझाउनु पर्थ्यो। त्यसलाई घिउ, ठेकी, अन्न तथा श्रम आदि नाममा ब्याज लिने गरिन्थ्यो। त्यसैले गोरखाका राजा राम शाहको पालामा वार्षिक ब्याज नगदको सयकडा दश र जिन्सीको सयकडा बीस निश्चित गरेका थिए। यसरी जतिसुकै ब्याज खिष्टिए पनि नगदको साँवा बराबर मात्र र जिन्सीमा साँवाको दोब्बरसम्म लिन पाउने व्यवस्था गरेको पाइन्छ।

नेपालको प्राचिन समयलाई विश्लेषण गर्दा प्राचिन कालमा मानांक, गुणांक, वैष्णव, पशुपति आदि शब्द अंकित तामाका प्राचिन मुद्राहरू प्रयोगमा ल्याएको पाइन्छ। यद्यपि यस्ता प्राचिन मुद्राहरूमा तिथिमितिहरू आदि उल्लेख नभएको कारणले कहिले देखी बैकिङ प्रणालीको सुरुवात भएको हो भन्ने कुराको जानकारी भने प्राप्त गर्न सकिएको देखिदैन। आठौँ शताब्दीमा राजा गुणकामदेवले कर्जा लिएर काठमाडौँ उपत्यकामा बस्ती बसाएका थिए। यसै शताब्दीको अन्त्यतिर शंखधर शाखा नाम गरेका व्यापारीले काठमाडौँ र भक्तपुरका सम्पूर्ण जनतालाई ऋण मुक्त तुल्याई नेपाल सम्बन्ध चलाएका थिए। यसरी प्राचीनकालमा धातुको सिक्काहरूको प्रचलनहरूबाट बैकिङ कारोवारको एउटा पक्षको रूपमा ऋणको लेनदेन परम्पराको सुरुवात भएपछि साहु महाजन र सुनारले पर्याप्त धितो लिई समाजका विभिन्न वर्गहरूलाई परम्परागत रूपमा कर्जा प्रदान गर्ने प्रथाको सुरुवातबाट नै अनौपचारिक रूपमा बैकिङ पद्धतिको विकास भएको हो।

बाह्रौँ शताब्दीतिर सदाशिव देवले चाँदीका सिक्का, राजा जयस्थिति मल्लले नेपालमा कार्यगत विशिष्टीकरण बनाउन समाजमा जाती र पेशाको आधारमा जातको विभाजन गरि एक जातिलाई टंकधारी नाम दिई रूपैया-पैसाको कारोवार संचालन गर्नका लागि कार्य सुम्पनु, सोही शताब्दीमा काठमाडौँका राजा रत्न मल्लले तामाका सिक्का, महिन्द्र मल्लले चाँदीका र सोही शताब्दीमा काठमाडौँका अन्तिम राजा जयप्रकाश मल्लले सुनका असर्फि मुद्राको रूपमा चलाउनु, नेपालको एकीकरण भएपछि श्री ५ पृथ्वीनारायण शाहले पनि आफ्नो नामका मोहरहरू प्रचलनमा ल्याउनु र विभिन्न राजाहरूले विभिन्न समयका निकालेका मुद्राहरूले नेपालमा बैकिङ प्रथाको विकासमा उल्लेखनीय भूमिका खेलेको पाइन्छ।

प्राचिनकालमा नेपालमा तिब्बत र भारतसँग बढ्दै गएको व्यापारिक कारोवारले पनि वस्तु विनिमय प्रथाको सट्टामा मुद्रा र बैकिङ प्रथाको विकास गराई क्रमशः बैकिङ पद्धतिको विकास भएको पाइन्छ। काठमाडौँका मल्ल राजा जयस्थिति मल्लले यसै

सिलसिलामा सुनका असर्फि मुद्राको रूपमा चलाएको पाइन्छ । वि.सं. १९८९ मा टक्सार विभागको स्थापनापछि नेपालमा औपचारिक रूपमा मुद्रा निष्काशन गर्ने प्रथाको सुरुवात भई बैकिङ पद्धतिको विकासमा प्रोत्साहन भएको पाइन्छ ।

### संस्थागत बैकिङ पद्धतिको विकास

आधुनिक नेपालको स्थापना भएको धेरै समयसम्म नेपालमा संस्थागत बैकिङ पद्धतिको विकास भएको पाइदैन । राणाकालमा तत्कालिन प्रधानमन्त्री श्री ३ रणोद्दीप सिंह (१९३३-१९४२) को पालामा तेजारथ अड्डा स्थापना भएपछि उक्त अड्डाले सरकारी कर्मचारी र सर्वसाधारण व्यक्तिहरूलाई खासगरी सुन चाँदी तथा जुहारात धितो लिएर कर्जा प्रवाह गर्ने प्रक्रियाको थालनी भएको पाइन्छ । यसरी यो संस्थाले ऋण दिने प्रक्रियाको सुरुवात गरेपछि देशका अरु भागहरूमा पनि यसै प्रक्रिया बमोजिम ऋण प्रदान गर्नकोलागि अधिराज्यको अन्य भागहरूमा पनि शाखा विस्तार गरेको पाइन्छ । यस संस्थाको कोषको रूपमा सरकारबाट प्राप्त गर्ने रकम नै मुख्य थियो । नेपालमा संस्थागत वित्तीय संस्थाको स्थापना र विकासमा यस संस्थाले छुट्टै महत्व राख्दछ । कर्जा दिने पद्धतिको सुरुवातबाट बैकिङ प्रथाको सुरुवात भएको भएतापनि सर्वसाधारणबाट निक्षेप स्वीकार गर्ने र आधुनिक बैकिङ प्रथाको सुरुवात गर्ने कार्य त्यतिबेलासम्म हुन सकेको पाइदैन । तेजारथ अड्डाले वार्षिक ५ प्रतिशतमा जनसाधारणलाई कर्जा प्रवाह गर्ने गरेको भएतापनि सरकारी कर्मचारी तथा पहुँचवाला सिमित व्यक्तिहरूलाई मात्र प्रवाह गर्ने भएको हुनाले सर्वसाधारणले सहूलियत व्याजदरमा कर्जा पाउन सक्ने स्थिति थिएन । एकातिर देशको अर्थतन्त्र कृषिमा आधारित रहेको तथा कृषि क्षेत्रमा आश्रित मानिसहरूको कर्जाको अभाव पुरा गर्न कुनै संस्थागत व्यवस्था नभएको कारणले किसान तथा सर्वसाधारणले ग्रामीण साहु महाजन जमिनदारहरूसँग चर्को व्याजदरमा कर्जा लिन बाध्य हुनुपर्ने हुनाले व्याजको पूँजीकरणले गर्दा कर्जाको भार बढ्दै गइ धितोको हक छोड्नु पर्ने वा सम्पत्ति बिक्री गर्नुपर्ने पद्धतिको विकास भएको पाइन्छ । उद्योग र व्यापारको विकास हुँदै जादा संस्थागत रूपमा कर्जा दिने संस्थागत व्यवस्था सहितको संस्थागत बैकिङ व्यवस्थाको आवश्यकता महसुस हुँदै जान थाल्यो । वि.सं. १९८० मा तत्कालिन प्रधानमन्त्री चन्द्र शम्सेरको कार्यकालमा भारतसँग भएको शान्ति र मैत्री सन्धीअनुसार नेपालले भारतीय बन्दरगाह भएर स्वतन्त्ररूपमा समुन्द्रसम्मको व्यापार गर्ने प्रक्रिया सुरु भएपछि व्यापार विविधीकरणको सम्भावना बढ्दै गएको थियो । यसैको फलस्वरूप वि.सं. १९९३ सालमा उद्योग परिषदको गठन भएको थियो । एकातिर उद्योग परिषदको गठन भई औद्योगिकीकरणको बढवा दिने प्रक्रियाको सुरुवात भएको र अर्कोतिर विराटनगर जुटमिलको स्थापना भई उद्योग व्यापारको विस्तार हुन पुगेको पाइन्छ । यसरी देशमा उद्योग व्यवसायको विस्तार हुन थालेको र अन्तर्राष्ट्रिय प्रभाव जन चेतनाको लहर बढ्दै गएकोले सर्वसाधारणको बचत रकम संकलन गरी कृषि उद्योग र व्यापारलाई पूँजी उपलब्ध गराउन नेपालमा संस्थागत बैकिङ व्यवस्थाको आवश्यकता महसुस भएपछि वि.सं. १९९४ साल कार्तिक ३० गते नेपाल बैक लिमिटेडको स्थापना भएपछि पहिलो पटक संस्थागत बैकिङ पद्धतिको सुरुवात भएको हो ।